बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN/MIL-2

विषय: हिन्दी साहित्य

पूर्णांक: 100

इकाई:१	-	प्राचीन काव्य	१. कबीर: प्रथम १० साखियाँ। २. सूर: प्रथम ५ पद। ३. बिहारी: प्रथम १० दोहे।
इकाई:२	-	आधुनिक काव्य	१. मैथिलीशरण गुप्त - सखि, वे मुझसे कहकर जाते। २.जयशंकर प्रसाद - अरुण, यह मधुमय देश हमारा। ३. अज्ञेय - हमारा देश। ४. धूमिल - शहर में सूर्यास्त।
इकाई:३	-	कहानी	१. प्रेमचंद - दो बैलों की कथा। २. कमलेश्वर - मानसरोवर का हंस। ३. मोहन राकेश - मलबे का मालिक।
इकाई:४	-	नाटक	मोहन राकेश - आषाढ़ का एक दिन।
इकाई:५	-	उपन्यास	मन्नू भंडारी - आपका बंटी।

अंक विभाजन:

4 आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 x 4 = 60
4 लघूत्तरीय प्रश्न	:	4 x 7 = 28
12 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	:	1 x 12 = 12

पाठ्य ~~संदर्भ~~ ग्रन्थ:

१. काव्य मंजरी - सं. डॉ. केशवप्रसाद सिंह एवं डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

२. आधुनिक काव्य संग्रह - सं. रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

३. आधुनिक कहानी संग्रह - सं. डॉ. सरोजिनी शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

४. आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

५. आपका बंटी - मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड [illegible], जगतपुरी, दिल्ली - ११००५१

---(*)---

स्नातक स्तरीय सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

(हिन्दी : इलेक्टिव व ऑनर्स हेतु)

सेमेस्टर-1	HIN/E-101 -हिन्दी भाषा का इतिहास एवं हिन्दी संरचना
सेमेस्टर-2	HIN/E-202 -हिन्दी साहित्य का इतिहास
सेमेस्टर-3	HIN/E-303 - हिन्दी काव्य
सेमेस्टर-4	HIN/E-404 -हिन्दी निबंध एवं अन्य विधाएँ
सेमेस्टर-5	HIN/H-505 -भाषा विज्ञान व हिन्दी भाषा HIN/H-506 -आधुनिक काव्य HIN/H-507 -हिन्दी कथा एवं नाट्य साहित्य
सेमेस्टर-6	HIN/H-608 -प्रयोजनमूलक हिन्दी HIN/H-609 -साहित्य के सिद्धान्त और हिन्दी आलोचना HIN/H-610 -प्रादेशिक भाषा- साहित्य: मणिपुरी

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN/E-101

हिंदी भाषा का इतिहास एवं हिंदी संचरना

पूर्णांक : १००

इकाई :१ - हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,
हिंदी शब्द का अर्थ एवं हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र ।

इकाई :२ - हिंदी की उपभाषाएँ - परिश्चमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी और पहाड़ी हिंदी की बोलियों का सामान्य अध्ययन ।

इकाई :३ - हिंदी शब्दसमूह एवं शब्दरचना
-हिंदी शब्दसमूह एवं शब्दरचना : सामान्य परिचय,
-हिंदी शब्दसमूह का स्रोत की दृष्टि से अध्ययन: तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्द और संकर शब्द।
-हिंदी शब्दसमूह का अर्थ की दृष्टि से अध्ययन: एकार्थवाची, अनेकार्थवाची, पर्यायवाची, विलोम शब्द ।
-हिंदी के उपसर्ग और प्रत्यय ।
-संधि (केवल स्वर संधि) एवं समास ।

इकाई :४ - व्याकरण की दृष्टि से शब्द-चिंतन
शब्द के भेद
संज्ञा : परिभाषा एवं प्रकार
संज्ञा: रूप, वचन, लिंग एवं कारक
सर्वनाम: परिभाषा एवं प्रकार
विशेषण : परिभाषा एवं प्रकार
क्रिया : वर्गीकरण एवं प्रयोग
अव्यय : निपात, परसर्गीय शब्दावली, क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक और विस्मयादिबोधक

इकाई :५ - वाक्य विन्यास
अन्विति, वाच्य, कर्त्ता-को वाक्य ,ने- परसर्ग का प्रयोग

अंक विभाजन :

4	आलोचनात्मक प्रश्न	:	15x 4 = 60
7	लघूत्तरीय	:	4 x 7 = 28
12	अतिलघूत्तरीय प्रश्न	:	1 x 12 = 12

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - डॉ० उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
२. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।
३. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, डॉ० रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण - डॉ० हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
५. हिंदी भाषा की संरचना- डॉ० भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
६. हिंदी व्याकरण तथा रचना - डॉ० कैलाशचंद्र अग्रवाल, रंजन प्रकाशन, आगरा-३
७. हिंदी भाषा का विकास - डॉ० रामकिशोर शर्मा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहाबाद ।
८. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रोफेसर हजारीमयुम शुवदनी देवी, नवराज प्रकाशन, भजनपुरा, नई दिल्ली ।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN/E-202

हिंदी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक : १००

इकाई :१ -हिंदी साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा ।
-हिंदी साहित्य का काल-विभाजन ।
-आदि काल : नामकरण और प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यिक धाराएँ - बौद्ध, सिद्ध, जैन, रासो और लोक-काव्य (संक्षेप में) ।

इकाई :२ - भक्ति काल :
-निर्गुण धारा - संत और सूफी (संक्षेप में) ।
-सगुण धारा - कृष्णकाव्य और रामकाव्य (संक्षेप में)।

इकाई : ३ - रीति काल :
-नामकरण और प्रवृत्तियाँ ।
-रीतिकालीन प्रमुख धाराएँ ।

इकाई : ४ - आधुनिक काल :
-नवजागरण और भारतेन्दु युग
-आधुनिक हिंदी कविता का विकास-छायावाद पूर्व, छायावाद युगीन,
-प्रगतिवाद,प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन कविता (संक्षेप में) ।

इकाई : ५ - हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं का विकास :
-उपन्यास, कहानी ,नाटक, एकांकी, निबन्ध, आलोचना, यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, आत्मकथा आदि (संक्षेप में)।

अंक विभाजन :

4	आलोचनात्मक प्रश्न	:	15x 4 = 60
7	लघूत्तरीय	:	4 x 7 = 28
12	अतिलघूत्तरीय प्रश्न	:	1 x12 = 12

सन्दर्भ ग्रन्थ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास, नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
२. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, सिंह, बच्चन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
३. समसामयिक हिंदी साहित्य, सं. बच्चन, हरिवंशराय, नगेन्द्र, अग्रवाल, भारतभूषण, साहित्य अकादमी नई दिल्ली।
४. हिंदी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास- डॉ० मोहन अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
५. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ० रामकिशोर शर्मा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहाबाद
६. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ० गणपति चंद्रगुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
७. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
८. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
९. हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
१०. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
११. छायावाद - डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१२. साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
१३. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN/E-303

हिंदी काव्य

पूर्णांक : १००

इकाई :१ - विद्यापति पदावली (प्रारंभ से ०५ पद)
विद्यापति - आनंद प्रकाश दीक्षित।
कबीरदास - गुरुदेव कौ अंग
कबीर ग्रंथावली - सं. श्याम सुंदर दास।

इकाई :२ - सूरदास : ०५ पद (१५,१६,३६,५२,७०)
भ्रमरगीतसार - सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
तुलसीदास: कवितावली (अधोध्याकाण्ड)
टीकाकार - लाला भगवानदीन।

इकाई :३ - जायसी - पद्मावत (मानसरोदक खण्ड)
जायसी ग्रंथावली-सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
बिहारी लाल : १० दोहे (११-२०)
रीतिकाव्यधारा - सं. रामचंद्र तिवारी।

इकाई :४ - मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा (दो पद)
महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली।

इकाई:५ - केदारनाथ अग्रवाल - खेत का दृश्य।
धर्मवीर भारती - टूटा पहिया।

पाठ्य पुस्तक: (इकाई चार एवं पाँच के लिए) -
आधुनिक काव्य संग्रह - संपादक रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

विद्यापति : जीवन: व्यक्तित्व एवं रचनाएँ, काव्य-सौष्ठव,
विद्यापति: भक्त अथवा शृंगारी कवि के रूप में, विद्यापति का गीति काव्य।

कबीरदास : जीवन-परिचय, निर्गुण काव्य परंपरा और कबीर, कबीर की दार्शनिक दृष्टि।

सूरदास : जीवन-परिचय, भक्ति-भावना, भ्रमरगीत परंपमरा और सूरदास।

तुलसीदास : जीवन-परिचय, भक्ति-भावना और समन्वयवादी कवि के रूप में तुलसी

जायसी : जीवन-परिचय, सूफी दर्शन और जायसी, जायसी और प्रेमाख्यान काव्य।

बिहारी : जीवन-परिचय, बिहारी: गागर में सागर के कवि, मुक्तक काव्य और बिहारी।

मैथिलीशरण गुप्त: जीवन परिचय, रामकाव्य परंपरा और मैथिलीशरण गुप्त, गुप्तजी की नारी भावना।

महादेवी वर्मा: जीवन-परिचय, महादेवी वर्मा का रहस्यवाद, महादेवी वर्मा और उनके गीत।

केदारनाथ अग्रवाल: जीवन-परिचय, प्रगतिशील कवि के रूप में केदारनाथ अग्रवाल, केदारनाथ अग्रवाल और प्रकृति।

धर्मवीर भारती :जीवन परिचय, नई कविता के परिप्रेक्ष्य में धर्मवीर भारती, धर्मवीर भारती और प्रतीक।

अंक विभाजन:

2 व्याख्याएँ	10 x 2 = 20
3 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 3 = 45
6 लघूत्तरीय प्रश्न	4 x 6 = 24
11 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 x 11 = 11

संदर्भ ग्रन्थ :

१. विद्यापति - डॉ० शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. विद्यापति - डॉ० रामकिशोर शर्मा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहाबाद ।
३. कबीर - डॉ० हजारीप्रसाद द्विदेवी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
४. कबीर मीमांसा-डॉ० रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
५. सूरदास - डॉ० नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
६. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - डॉ० मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
७. सूरदास - संपादक डॉ० हरवंश लाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
८. त्रिवेणी- आचार्य रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
९. तुलसी-सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
१०. लोकवादी तुलसी - डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
११. तुलसीदास - डॉ० माताप्रसाद गुप्त, हिंदी परिषद् हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
१२. जायसी - डॉ० विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
१३. जायसी एक अध्ययन - रणधीर श्रीवास्तव, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली -२.
१४. बिहारी - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, विद्या मंदिर प्रेस, वाराणसी ।
१५. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ० बच्चन सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१६. मैथिलीशरण गुप्त (मोनोग्राफ)-डॉ० कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
१७. मैथिलीशरण गुप्त का काव्य - डॉ० उमाकांत गोयल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
१८. महादेवी - हॉ० इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
१९. महादेवी-सं.डॉ० परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
२०. महीयसी महादेवी - डॉ० गंगाप्रदास पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
२१. मध्यकालीन काव्यधाराएँ - सं. डॉ० सत्यप्रकाश मिश्र, हरियाणा साहित्य एकेडमी, चंडीगढ़।
२२. भक्ति काव्य का समाज - दर्शन - डॉ० प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
२३. भक्ति काव्य और लोक जीवन - डॉ० शिवकुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।
२४. ब्रजभाषा काव्य में प्रेमाभक्ति - डॉ० देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
२५. रीति काव्य संग्रह-संपादक-डॉ० जगदीश गुप्त, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
२६. रीति काव्य: पुनर्मूल्यांकन - डॉ- सत्य प्रकाश मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद ।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN/E- 404

हिंदी निबंध एवं अन्य विधाएँ

पूर्णांक : १००

इकाई:१ - **निबंध: उद्भव और विकास:**

निबंध : परिभाषा, निबंधों के भेद, भारतेंदु और भारतेंदु मण्डल के लेखक और उनके निबंध, द्विवेदीयुगीन निबंध, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनके निबंध, ललित निबंध की परंपरा।

इकाई :२ - **निबंध(चयनित पाठ):**

पुस्तक: निबंधश्री अरुणिमा दिलजन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

१. सच्ची वीरता (सरदार पूर्ण सिंह)
२. मैं मधुवन जाऊँगा रे (विद्यानिवास मिश्र)
३. नारायण और प्रतिनारायण (कुबेरनाथ राय)

इकाई :३ - **जीवनी और आत्मकथा:**

-हिंदी में जीवनी साहित्य का आरंभ और विकास, जीवनी की विशेषताएँ, हिंदी की प्रमुख जीवनियाँ।

-आत्मकथा का आरंभ और विकास, आत्मकथा की प्रमुख विशेषताएँ, हिंदी की प्रमुख आत्मकथाएँ, आत्मकथा और जीवनी में अंतर।

इकाई :४ - **संस्मरण और रेखाचित्र:**

-संस्मरण साहित्य का आरंभ और विकास,
संस्मरण की प्रमुख विशेषताएँ, हिंदी के प्रमुख संस्मरण।

-रेखाचित्र का अर्थ, रेखाचित्र की प्रमुख विशेषताएँ,
हिंदी के प्रमुख रेखाचित्र, संस्मरण और रेखाचित में अंतर।

इकाई :५ - **यात्रावृत्त:**

यात्रावृत्त का तात्पर्य, यात्रावृत्त की विशेषताएँ, हिंदी के प्रमुख यात्रावृत्त।

क विभाजन:

2 व्याख्याएँ	10 x 2 = 20
3 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 3 = 45
6 लघूत्तरीय प्रश्न	4 x 6 = 24
11 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 x 11 = 11

संदर्भ ग्रन्थ :

१. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास - डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२. निबंध-संग्रह- सं. डॉ० मोहन अवस्थी, हिंदी परिषद् प्रकाशन, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
३. हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ० रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
४. गद्य की नई विधाओं का विकास, माजदा असद, प्रभाव प्रकाशन, नई दिल्ली।
५. कलम का सिपाही- अमृत राय, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ।
६. चीड़ों पर चाँदनी- निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
७. मेरा जीवन प्रवाह-वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मण्डल, नई दिल्ली।
८. सत्य के साथ मेरे प्रयोग- महात्मा गांधी, नवजीवन ट्रस्ट, अहमदाबाद।
९. बच्चन की आत्मकथा (चार खण्ड)-डॉ० हरिवंश राय बच्चन, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।
१०. अरे यायावर रहेगा याद-अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
११. दीप जले शंख बजे - कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN-H- 505

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

पूर्णांक-100

इकाई :१ - भाषा: परिभाषा, अभिलक्षण
भाषा विज्ञान: परिभाषा,अन्य ज्ञानों के साथ सम्बंध,भाषा और बोली,भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार(लाँग-पेरोल),भाषा और लिपि।

इकाई :२- ध्वनि विज्ञान - वाक् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा,स्वन व्यवस्था: खंडीय और खंडेतर:
-खंडीय: स्वर और व्यंजन की अवधारणा एवं वर्गीकरण।
-खंडेतर: मात्रा, बलाघात,सुर, अनुतान,विवृत्ति ।
रूपिम: अवधारणा और भेद- आबद्ध एवं मुक्त।

इकाई :३ - वाक्य: अवधारणा,भेद:अर्थ एवं संरचना की दृष्टि से -
-अर्थ विज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बंध,अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण ।

इकाई :४ - हिन्दी भाषा का स्वरूप-
(क). हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप: बोलचाल की भाषा,संपर्कभाषा,राष्ट्रभाषा,राजभाषा, संचार भाषा ।
(ख). हिन्दी की विभिन्न शैलियाँ - संस्कृतनिष्ठ हिन्दी, उर्दू,हिन्दुस्तानी, दक्खिनी हिन्दी ।

इकाई :५ - हिन्दी भाषा का मानकीकरण एवं आधुनिकीकरण, देवनागरी लिपि: उद्भव और विकास, वैज्ञानिकता,गुण और दोष ।

अंक- विभाजन:-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	15x 4	= 60
7 लघूत्तरीय प्रश्न	4x 7	= 28
12 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1x12	= 12

संदर्भ ग्रथ

१. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल,प्रकाशन,इलाहाबाद ।
२. हिन्दी भाषा और लिपि - डॉ. धीरेंद्र वर्मा,हिंदुस्तानी एकेडमी,इलाहाबाद।
३. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली ।
४. स्वन विज्ञान - चतुर्भुज सहाय, कुमार प्रकाशन,आगरा।
५. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव,कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली।
६. हिन्दी : उद्‌भव,विकास और रूप- डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद।
७. आधुनिक भाषा विज्ञान - कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
८. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन - प्रो. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
९. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,नई दिल्ली।
१०.आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - प्रो. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद ।
११. सामान्य भाषा विज्ञान - वैश्ना नारंग, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN-H- 506

आधुनिक काव्य

पूर्णांक-100

इकाई: १ (क) अयोध्या सिंह उपाध्याय- प्रियप्रवास (षष्ठ सर्ग. मन्दाक्रान्ता छन्द)
(ख) जयशंकर प्रसाद- श्रद्धा।

इकाई: २ (क) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - संध्या सुन्दरी, स्नेह निर्झर
(ख) माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा

इकाई: ३ (क) रामधारी सिंह 'दिनकर' - प्रभाती
(ख) अज्ञेय - बावरा अहेरी, यह दीपक अकेला

इकाई: ४ (क) नरेश मेहता - किरन धेनुएँ
(ख) नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

इकाई: ५ (क) गजानन माधव मुक्तिबोध - दूर तारा
(ख) धूमिल - प्रौढ़ शिक्षा

निर्धारित पाठ्य पुस्तक:

आधुनिक काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अंक विभाजन:

2 व्याख्याएँ	10 x 2 = 20
3 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 3 = 45
6 लघूत्तरीय प्रश्न	4 x 6 = 24
11 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 x 11 = 11

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' - साहित्यिक परिचय, कृष्ण काव्य परम्परा और प्रियप्रवास, प्रियप्रवास में प्रकृति और सौंदर्य-चित्रण।

जयशंकर प्रसाद - साहित्यिक परिचय, जयशंकर प्रसाद कृत कामायनी की कथावस्तु, श्रद्धा सर्ग का महत्त्व, श्रद्धा सर्ग में चित्रित नारी भावना और सौंदर्य-चित्रण।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - साहित्यिक परिचय, निराला के गीत, निराला और मुक्त छंद, संध्या सुंदरी और मानवीकरण. स्नेह निर्झर : आत्म साक्षात्कार गीत के रूप में।

माखनलाल चतुर्वेदी - साहित्यिक परिचय,छायावादोत्तर राष्ट्रीय भावना और माखनलाल चतुर्वेदी, पुष्प की अभिलाषा में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना।

रामधारी सिंह दिनकर - साहित्यिक परिचय, राष्ट्रकवि के रूप में दिनकर, जागरण गीत परंपरा और प्रभाती।

अज्ञेय - साहित्यिक परिचय, प्रयोगवाद और अज्ञेय,अज्ञेय की वैयक्तिकता, अज्ञेय का प्रतीक-विधान और बिंब- विधान।

नरेश मेहता - साहित्यिक परिचय, नई कविता और नरेश मेहता,नरेश मेहता के काव्य में प्रतीक-विधान और बिंब विधान।

नागार्जुन - साहित्यिक परिचय, प्रगतिवाद और नागार्जुन, नागार्जुन के काव्य में प्रकृति, नागार्जुन का सौंदर्य-चित्रण।

गजानन माधव मुक्तिबोध - साहित्यिक परिचय, प्रयोगवाद और मुक्तिबोध,मुक्तिबोध के काव्य में प्रतीक और बिंब।

धूमिल - साहित्यिक परिचय, समकालीन कविता और धूमिल, प्रौढ़ शिक्षा: कथ्य और शिल्प।

संदर्भ ग्रन्थ-

१. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' -(मोनोग्राफ)- डॉ. मुकुंददेव शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

२. प्रसाद का काव्य-डॉ. प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली।

३. जयशंकर प्रसाद (मोनोग्राफ) - डॉ.रमेशचंद्र शाह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

४. निराला की साहित्य-साधना (भाग-दो)- डॉ. रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

५. निराला: आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

६. स्वाधीनता की अवधारणा और निराला - संपादक प्रो.राजेंद्रकुमार, अभिप्राय, इलाहाबाद।

७. निराला काव्य: विविध संदर्भ- सं.डॉ. मीराश्रीवास्तव, हिंदी विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय,इलाहाबाद।

८. अज्ञेय और आधुनिक-रचना की समस्या-डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

९. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा- डॉ. नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, वीकानेर।

१०. अज्ञेय:वागर्थ का वैभव- डॉ. रमेशचंद्र शाह, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

११. नरेश मेहता: कविता की ऊध्व यात्रा- डॉ. रामकमल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

१२. नागार्जुन(प्रतिनिधि कविताएँ)- सं.डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन।

१३. मुक्तिबोध की कविता - डॉ.अशोक चक्रधर, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली।

१४. मुक्तिबोध(मोनोग्राफ)-डॉ. नंदकिशोर नवल, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
१५. आधुनिक कविता यात्रा- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१६. आधुनिक हिंदी काव्य शिल्प-डॉ. मोहन अवस्थी, हिंदी परिषद, हिंदी विभाग,इलाहाबाद।
१७. अज्ञेय और तारसप्तक- डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद।
१८. हिंदी कविता की प्रगीतिशील भूमिका- सं.- डॉ.प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।
१९. हिंदी की प्रगतिशील कविता- डॉ. लल्लन राय,हरियाणा साहित्य अकादमी,चणडरगढ़।
२०. छायावाद- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
२१. साठोत्तरी हिंदी कविता में लोक सौंदर्य-डॉ. श्रीप्रकाश शुक्ल, लोग भारती प्रकाशन,इलाहाबाद।
२२. आधुनिक कविता- डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
२३. काव्य सृजन और शिल्प-विधान- डॉ.रोहिताश्व,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
२४. समकालीन कविता- डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
२५. नई कविता की भूमिका - डॉ प्रेमशंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN-H- 507

हिन्दी कथा एवं नाट्य साहित्य

पूर्णांक-100

इकाई: १ -हिन्दी कथा साहित्य का सामान्य परिचय
-हिन्दी नाट्य साहित्य का सामान्य परिचय।

इकाई: २ उपन्यास
-'निर्मला'-(प्रेमचन्द)

इकाई: ३ कहानी
-'कहानी किरण'- सं.इबोहल सिंह काङ्जम, देवराज,सिद्धनाथ प्रसाद
-काङ्जम एन्टरप्राइजेज,इम्फाल।
चयनित पाठ- 'उसने कहा था' (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी),
'वापसी' (उषा प्रियंवदा),
'पोस्टमैन'(शैलेश मटियानी)

इकाई: ४ नाटक
-'ध्रुवस्वमिनी' (जयशंकर प्रसाद)

इकाई: ५ एकांकी
-'हिन्दी एकांकी प्रभा,सं.इबोहल सिंह काङ्जम, देवराज,सिद्धनाथ प्रसाद,
लनचेनबा मीतै,-मणिपुर हिन्दी परिषद, इम्फाल।
चयनित पाठ: -'दीपदान'(रामकुमार वर्मा),
-'भोर का तारा'(जगदीशचन्द्र माथुर),
-'महाभारत की एक साँझ '(भारतभूषण अग्रवाल)

समालोचना:

१.प्रेमचन्द का जीवन-परिचय और साहित्य, प्रेमचन्द के उपन्यासों में 'निर्मला' का स्थान, 'निर्मला' में प्रेमचन्द की सामाजार्थिक दृष्टि, 'निर्मला' के प्रमुख चरित्र।

२.निर्धारित कहानियोंके कहानीकारों का जीवन-परिचय और साहित्य तथा कहानी-कला की दृष्टि से निर्धारित कहानियों की समीक्षा।

३.प्रसाद का जीवन-परिचय और साहित्य ,प्रसाद के नाटकों में 'ध्रुवस्वमिनी' का स्थान, 'ध्रुवस्वमिनी' के प्रमुख चरित्र,स्त्री-विमर्श की दृष्टि से 'ध्रुवस्वमिनी' ।

४. निर्धारित एकांकियों के एकांकीकारों का जीवन-परिचय तथा एकांकी-कला की दृष्टि से निर्धारित एकांकियों की समीक्षा ।

अंक विभाजन:

2 व्याख्याएँ (एक उपन्यास/कहानी से, एक नाटक/एकांकी से)	10 x 2 = 20
3 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 3 = 45
6 लघूत्तरीय प्रश्न	4 x 6 = 24
11 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 x 11 = 11

सन्दर्भ ग्रन्थ:

१. हिन्दी उपन्यास:उद्भव और विकास-सुरेश सिन्हा,अशोक प्रकाशन,नई सड़क,दिल्ली ।

२. हिन्दी कहानी का इतिहास-लालचन्द गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

३. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद- त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान,वाराणसी ।

४. हिन्दी नाटक:उद्भव और विकास-दशरथ ओझा, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज, नई दिल्ली ।

५. हिन्दी नाटक-बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

६. प्रसाद के नाटक- सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना ।

७. हिन्दी कहानी का विकास-मधुरेश, सुमित प्रकाशन,इलाहाबाद ।

८. कहानी: नई कहानी-डॉ. नामवर सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

९. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति- डॉ. देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन,इलाहाबाद ।

१०. हिन्दी उपन्यास का विकास - डॉ. मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद ।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN-H- 608

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पूर्णांक-100

इकाई :१ प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और उसका अनुप्रयोग,
प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ और उसकी व्याप्ति,
कार्यालयी हिंदी का स्वरूप और क्षेत्र,
प्रयुक्ति: प्रकार और उनके क्षेत्र,
प्रारूपण,मसौदा-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, तारलेखन ।

इकाई :२. हिंदी का वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप,वैज्ञानिक तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हिंदी,
हिंदी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली ।
संगणक(कंप्यूटर)-सामान्य परिचय, उपयोग और कार्यक्षेत्र ।

इकाई :३. अनुवाद
अनुवाद: अभिप्राय,क्षेत्र,विशेषताएँ और प्रकार ,
अनुवाद की माध्यम भाषा के रूप में हिंदी,
भूमंडलीकरण की संकल्पना: अनुवाद का महत्त्व और उपयोगिता ।

इकाई :४ हिंदी के विभिन्न रूप,मातृभाषा,बोलचाल की भाषा,संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा,
सर्जनात्मक भाषा, संचार माध्यम की भाषा ।

इकाई :५ संविधान में हिंदी
-हिंदी की संवैधानिक स्थिति,
-राजभाषा अधिनियम(1936), संशोधन(1968), राजभाषा नियम(1976),
-राजभाषा संबंधी विविध समितियाँ एवं प्रोत्साहन सम्बन्धी योजनाएँ,
-राजभाषा के रूप में हिंदी के विकास का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य ।

अंक विभाजन:

4 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 = 60
7 लघूत्तरीय प्रश्न	4 x 7 = 28
12 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 x 12 = 12

संदर्भ-ग्रन्थ:

१. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं अनुप्रयोग- रामप्रकाश, दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

२. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रो.रामकिशोर शिवमूर्ति शर्मा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, इलाहाबाद।

३. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रो. हजारीमयुम सुवदनी देवी, नवराज प्रकाशन, भजनपुरा, दिल्ली।

४. प्रयोजनमूलक हिंदी- प्रो. मुश्ताक़ अली, साहित्य संगम, इलाहाबाद।

५. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ - रवींद्रनाथ श्रीवास्तब, कृष्णकुमार गोस्वामी,आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

६. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और अनुप्रयोग- सं. डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय,नई दिल्ली।

७. राजभाषा हिंदी:विकास के विविध आयाम - डॉ. मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली।

८. हिंदी में सरकारी कामकाज- रामविनायक सिह, हिंदी प्रचारक संस्थान, पिशाचमोचन, वाराणसी।

९. कंप्यूटर के सिद्धांत, तकनीक और देखभाल- डॉ. सुनील जोगी, आधुनिक प्रकाशन,दिल्ली।

१०. कंप्यूटर शिक्षा - सुरेश मेनारिया, मधु मेनारिया, आशुतोष पब्लिकेशंस,उदयपुर।

११. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ.दंगल झाल्टे, विद्या विहार, नई दिल्ली।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN/H-609

साहित्य के सिद्धान्त और हिन्दी आलोचना

पूर्णांक : १००

क) **भारतीय साहित्य सिद्धान्त :**

इकाई : १ - काव्य : अभिप्राय, परिभाषा और लक्षण ।
-रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सम्प्रदायों एवं सिद्धान्तों का सामान्य परिचय।

इकाई : २ - अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, व्यतिरेक और मानवीकरण।
छन्द: दोहा, चौपाई, कवित्त, छप्पय, सोरठा, रोला और हरिगीतिका।

ख) **पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त :**

इकाई : ३ - अरस्तू, मेथियू अर्नल्ड एवं आई.इ. रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धान्तों का सामान्य परिचय।

इकाई : ४ - प्रमुख वाद : अभिव्यंजनावाद, स्वच्छन्दवाद, यथार्थवाद, आधुनिकतावाद और उत्तर-आधुनिकतावाद ।

ग): **हिंदी आलोचना:**

इकाई : ५ - हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास
- प्रमुख हिंदी आलोचक: आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, पं. रामचन्द्र शुक्ल, डॉ० नगेन्द्र एवं डॉ० नामवर सिंह।

अंक विभाजन :

4	आलोचनात्मक प्रश्न	:	15x 4 = 60
7	लघूत्तरीय	:	4 x 7 = 28
12	अतिलघूत्तरीय प्रश्न	:	1 x12 = 12

संदर्भ ग्रन्थ :

१. काव्य शास्त्र की भूमिका, डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
२. भारतीय काव्य-चिन्तन, मिश्र, शोभाकान्त, अनुपम प्रकाशन, पटना।
३. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परम्परा, सिन्हा, सावित्री, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।

४. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद, मिश्र, भगीरथ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
५. हिन्दी आलोचना, त्रिपाठी, विश्वनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
६. आलोचक और आलोचना, सिंह, बच्चन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
७. अलंकार पारिजात, स्वामी, नरोत्तमदास, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल प्रकाशन, आगरा - ३।
८. आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
९. भारतीय काव्यशास्त्र -डॉ० निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१०. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी- डॉ० निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
११. पाश्चात्य काव्य शास्त्र: अधुनातन संदर्भ - प्रोफेसर सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१२. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार - डॉ० रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
१३. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ० देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

----(*)----

बी.ए. सेमेस्टर सिस्टम

HIN-H- 610

प्रादेशिक भाषा साहित्य: मणिपुरी

पूर्णांक-100

इकाई: १ (क) मणिपुरी भाषा का संक्षिप्त इतिहास
(ख) मणिपुरी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

इकाई: २ मणिपुरी कविता:
चिर विदायी, किसी स्वदेश भक्त के प्रति(डॉ. लमाबम कमल सिंह) मातृभूमि,माँ की आराधना (हिजम इरावत),मणिपुर (एलांङ्बम नीलाकांत), एक सौ आठ पंखुड़ियों वाला कमल (श्री वीरेन),राजमहल के रथ के गिर जाने पर (लाइश्रम समरेंद्र)।

इकाई: ३ मणिपुरी नाटक:
तीर्थयात्रा(अराम्बम समरेंद्र)

इकाई: ४ मणिपुरी कहानी:
लैपाक्लै बुआ(नोङथोम्बम कुंजमोहन),टूटा हुआ जीवन बंधन(नीलवीर शास्त्री), चट्टानों पर चंद्रमुखी(महाराजकुमारी बिनोदिनी)।

इकाई: ५ मणिपुरी उपन्यास:
माधवी (डॉ. लमाबम कमल सिंह)

अंक विभाजन:

4 व्याख्याएँ	8 x 4 = 32
3 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 3 = 45
5 लघूत्तरीय प्रश्न	3 x 5 = 15
8 अतिलघूत्तरीय प्रश्न	1 x 8 = 8

पाठ्य ग्रंथ:

१. पुष्पमाला(लै परेंङ्)-मूल रचनाकार डॉ. लमाबम कमल सिंह,
अनुवाद-डॉ. हजारीमयुम सुवदनी देवी,वाँखै राष्ट्रभाषा महाविद्यालय,इम्फाल।
२. माँ की आराधना - मूल रचनाकार- हिजम इरावत सं.-देवराज,

अनुवादक-सिद्धानाथ प्रसाद,मणिपुर हिन्दी परिषद,इम्फाल।

३. आधुनिक मणिपुरी कविताएँ-सं.देवराज ,अनुवादक डॉ. इबोहल सिंह काङ्जम, वाणी प्रकाशन,दरियागंज, नई दिल्ली।

४. तीर्थयात्रा - मूल रचनाकार- आम्बम समरेंद्र, अनुवादिका- डॉ. हजारीमयुम इबेयाइमा देवी, वांखै राष्ट्रभाषा महाविद्यालय,वाँखै थांगपात मपाल, इम्फाल।

५. माधवी- मूल रचनाकार डॉ. लमाबम कमल सिंह, अनुवादक: सीएच. निशान निङतम्बा, वाइखोम भुमेश्वर सिंह,ग्रोमओफसेत प्रेस, सिंजमै।

६. मणिपुरी शिखर कथा कोश: मणिपुरी कहानियाँ, सं. कमलेश्वर, पुस्तकालय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

समालोचना:

१. चयनित रचनाकारों का जीवन एवं साहित्यिक परिचय।

२. मणिपुरी नवजागरण की पृष्ठभूमि, प्रकृति, विचारधारा एवं कवि कमल के काव्य में नवजागरण की अभिव्यक्ति।

३. नवजागरण और आधुनिकता के संधिस्थल के कवि: हिजम इरावत और उनका काव्य।

४. आधुनिक मणिपुरी कविता का आरंभ तथा नीलकांत और समरेंद्र का काव्य।

५. मणिपुरी काव्यपरंपरा में क्रुद्ध काव्यांदोलन और श्री बीरेन का काव्य।

६. मणिपुरी समाज और मध्यवर्गीय जीवन का चित्रण और तीर्थयात्रा, आधुनिकता के संदर्भ में तीर्थयात्रा का अध्ययन, पारिवारिक सम्बंधों का बिखराव और तीर्थयात्रा।

७. कहानी कला की दृष्टि से चयनित कहानियों का समीक्षात्मक अध्ययन।

८. माधवी उपन्यास में तत्कालीन मणिपुरी समाज का चित्रण, प्रेम और स्वार्थ त्याग का उपन्यास: माधवी, माधवी का उद्देश्य एवं विचारधारा, माधवी उपन्यास में वर्णित प्रकृति- चित्रण।

संदर्भ ग्रंथ:

1. मणिपुरी भाषा और साहित्य, सं. डॉ. हजारीमयुम सुवदनी देवी, हिंदी परिषद्,हिंदी विभाग,मणिपुर विश्वविद्यालय,काँचीपुर,इम्फाल।
2. A History of Manipuri Literature,Ch.Manihar Singh, Sahitya Akademi, New Delhi.
3. History of Manipuri Literature- RK. Jhalajit Singh.
4. मणिपुरी हिंदी क्रिया संरचना-डॉ. इबोहल सिंह काङ्जम, प्रवीण प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. मणिपुरी साहित्य और संस्कृति - डॉ. जवाहर सिंह, नीलकमल प्रकाान, इलाहाबाद।

----(*)----